आपकी खबरों का संसार...

अतुल्य संसार

RNI No.-RJHIN/2015/63826

संस्करणः जयपुर

हिन्दी समाचार पत्र...

web: www.atulyasansar.com

Digital Edition

www.liveworldnews.in

वर्षः 10 | अंकः 358 | जयपुर, बुधवार 08 जुलाई, 2026 | मूल्यः 2 रुपए | पृष्ठः 4

नशे को ना.... पेज 2

भारतवंशी बिजनेसमैन... पेज 3

गहलोत बोले-राममंदिर के लिए अवैध-खनन करके पत्थर जा रहा था

चंपत राय को कहा था लीगल माइनिंग का पत्थर ले जाओ, नया राममंदिर ट्रस्ट बने, योगी उसके अध्यक्ष रहें

नई दिल्ली/ जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने राममंदिर मामले की जांच सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में कराने की मांग की है। साथ ही मौजूदा राममंदिर ट्रस्ट को भंग करने की मांग भी उठाई है। अशोक गहलोत ने यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ को नया ट्रस्ट बनाकर योगी आदित्यनाथ को उसका अध्यक्ष बनने का सुझाव दिया है। इसके साथ गहलोत ने कहा कि जब मंदिर बन रहा था, तब भरतपुर के बंशी पहाड़पुर से अवैध खनन करके पत्थर जा रहा था। इल्लीगल माइनिंग हो रही थी। गहलोत ने दिल्ली में कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में कहा- मैं योगी से कहना चाहूंगा कि नया ट्रस्ट बनाओ, आप खुद अध्यक्ष बन जाओ, यूपी सीएम इसके अध्यक्ष बन जाएं। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चढ़ावा चोरी की एसआईटी से जांच करवाएं। जांच पूरी होने के बाद नया ट्रस्ट बनाकर योगी खुद अध्यक्ष बन जाएं। ट्रस्ट में सभी

तरह के लोगों को शामिल करें, केवल आरएसएस, बीजेपी के लोग ही ट्रस्ट में नहीं रहें। गहलोत ने कहा- पहले पीवी नरसिम्हा राव के समय सभी विचारधाराओं के लोग थे, अगर उस समय की तरह ट्रस्ट बनता तो आज यह नौबत नहीं आती। इन्होंने वीएचपी, आरएसएस के लोगों को ही ट्रस्ट में मेंबर बना दिया, ट्रस्ट में किसी की जिम्मेदारी तय नहीं की। गहलोत ने कहा- राजस्थान के लोगों का एक अलग लगाव है, क्योंकि जब मंदिर बन रहा था, तब भरतपुर के बंशी पहाड़पुर से अवैध खनन करके पत्थर जा रहा था। इल्लीगल माइनिंग हो रही थी। भरतपुर के बंसी पहाड़पुर से पत्थर मंदिर बनने के लिए जा रहा था। मिस्टर चंपत राय मेरे से मिले थे। एक अन्य कोई दिनेश करके थे, वे भी आए थे। मैंने उनको कहा- आप राम मंदिर का पवित्र काम करने की बात करते हो तो अवैध पत्थर मत ले जाओ। आप लीगल माइनिंग का पत्थर ले जाओ।

नृपेंद्र मिश्र मेरे संपर्क में आए, बंशीपहाड़पुर के इलाके को फोरेस्ट से निकलवाया

गहलोत ने कहा- बंसी पहाड़पुर का जो एरिया था, वहां पर इल्लीगल माइनिंग हो रही थी तो बात फिर पीएमओ तक गई। फिर मिस्टर नृपेंद्र मिश्रा मेरे संपर्क में आए और उनको पूरी बात समझाई गई। फिर हमने उस इलाके को फोरेस्ट से निकलवाने की सिफारिश की। उस इलाके को फोरेस्ट एरिया से निकाला गया। राम मंदिर का मामला था तो आराम से काम भी हो गया। वरना तो वो बरसों लग जाते हैं, निकलता नहीं है। हमें धन्यवाद भी दिया गया, वो अलग बात है।

राममंदिर चढ़ावे की चोरी से हर हिंदू दुखी, उसकी आस्था पर चोट

गहलोत ने कहा- राममंदिर के चढ़ावे में हुई चोरी से हर हिंदू दुखी है। उसकी आस्था को चोट पहुंची है। इस पवित्र काम में भी चोरी हो जाए, पूरे देश के अंदर हर गांव में, हर घर में चर्चा होने लग गई है। यह एक विश्वासघात वाली बात हो गई।

सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो

गहलोत ने कहा- राममंदिर चढ़ावा चोरी प्रकरण की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो। अभी तो यूपी सरकार की एसआईटी है, वो आनन फानन में बनी। एफआईआर होने से पहले ही एसआईटी बना दी। इसमें तहकीकात होना बहुत जरूरी है। करोड़ों लोगों की आस्था पर चोट पहुंची है।

स्ट्रीट डॉग को लेकर लोक अदालत में दिया परिवाद

एडवोकेट बोले- ये लोगों को काट रहे, लेकिन जिम्मेदार नहीं दे रहे ध्यान

पाली। पाली में डॉग बाइट के मामले बढ़ते जा रहे हैं। लेकिन नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारी इन स्ट्रीट डॉग्स को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर छोड़ने का काम नहीं कर रहे हैं। इससे परेशान होकर पाली के एडवोकेट भरतसिंह राजपुरोहित ने मंगलवार को स्थानीय लोक अदालत में परिवाद दायर किया है, जिससे जिम्मेदार विभागों की जिम्मेदारी तय की जा सके। उन्होंने निगम और जिला प्रशासन को इसमें पार्टी बनाया है। पाली शहर के महावीर नगर निवासी एडवोकेट भरतसिंह राजपुरोहित ने मंगलवार को परिवाद दर्ज करवाया। इसमें बताया कि पिछले कुछ महीनों से डॉग बाइट के मामले बढ़ रहे हैं। शहर के महावीर नगर, मंडिया रोड सहित अन्य मोहल्लों में डॉग बाइट के मामले सामने आ रहे हैं। इसको लेकर स्थानीय लोगों ने भी कई बार निगम में शिकायत की, लेकिन समाधान को लेकर कुछ नहीं किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि उनकी गाड़ी के पीछे भी कई बार डॉग्स भागे। रात में कई मोहल्लों में डॉग्स भौंकते रहते हैं, जिससे लोगों की नींद खराब होती है। डॉग्स गंदगी फैलाते हैं। निगम की ओर से डॉग्स नहीं पकड़ने के कारण लगातार शहर में उनकी संख्या बढ़ रही है। खासकर बच्चों पर डॉग्स ज्यादा अटैक करते हैं। परिवाद में उन्होंने शहरवासियों को गलियों में घूमने वाले डॉग्स से राहत दिलाने की मांग की है।

जयपुर में परिवार पर चढ़ा ट्रेलर, 4 की मौत

बच्चों के शव टुकड़ों में नाले में गिरे, मां के पैर टूटे, ट्रेलर के 5 चालान पेंडिंग

जयपुर। जयपुर में तेज रफ्तार ट्रेलर ने फुटपाथ पर बैठे एक परिवार के 5 लोगों को कुचल दिया। हादसे में तीन बच्चों और पिता की मौत हो गई। मां के दोनों पैर टूट गए। हादसा इतना भीषण था कि बच्चों के शवों के चिथडे उड गए। एक बच्चे के शव के दो टुकडे हो गए। सभी लोग नाले में गिर गए। हादसा श्याम नगर थाना क्षेत्र के 200 फीट बाइपास पर कमला नेहरू नगर में मंगलवार सुबह 8:46 बजे हुआ। मृतकों की पहचान राजसमंद के जैतपुरा निवासी चंद्रप्रकाश (40) और उनके बेटों रमेश (11), रतन (10), दीपक (8) के रूप में हुई है। चंद्रप्रकाश की पत्नी कैलाशी (35) गंभीर रूप से घायल है। कैलाशी के दोनों पैर टूट गए हैं। एसएमएस हॉस्पिटल के ट्रॉमा में इलाज चल रहा है। हादसे का शिकार बागरी समाज का परिवार वैशाली नगर में गांधी पथ पर फुटपाथ पर रहता था। फुटपाथ पर झाड़ू बनाकर बेचता था। आज सुबह गांव जाने के लिए बस का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान ट्रेलर रेलिंग को तोड़ते हुए माता-पिता और तीनों बच्चों को कुचल दिया। तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप से घायल माता-पिता को हॉस्पिटल में भर्ती करवाया गया। पिता की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर और खलासी मौके से फरार हो गए। घटना की सूचना पर श्याम नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से मृतकों और घायलों को नाले से निकाला।

राजस्थान में अगस्त में हो सकते है निकाय-पंचायत चुनाव

आयोग ने कहा- 90 दिन का समय लगेगा, जानें- ओबीसी आयोग कब सौंपेगा रिपोर्ट

जयपुर। प्रदेश में पंचायत और नगरीय निकाय चुनाव 31 जुलाई तक नहीं हो सकेंगे। राज्य निर्वाचन आयोग ने सोमवार को पंचायती राज विभाग को लिखे एक लेटर में पंचायत और नगरीय निकाय के चुनाव करवाने के लिए कम से कम 90 दिन का समय लगने की बात कही है। ये भी तब है जब राज्य सरकार अपने स्तर या ओबीसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर एससी, एसटी, ओबीसी और महिलाओं का आरक्षण तय करके देती है। दरअसल, राजस्थान हाईकोर्ट ने 22 मई को आदेश देते हुए आयोग को 31 जुलाई तक दोनों संस्थाओं के चुनाव करवाने के निर्देश दिए थे। हालांकि राज्य में

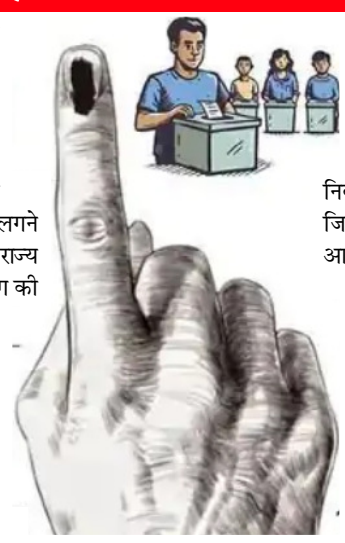

अब तक इन चुनावों में ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षण का निर्धारण नहीं हो सका है। पिछले दिनों पंचायती राज विभाग ने निर्वाचन आयोग को पत्र लिखा, जिसमें बताया कि ओबीसी आयोग ने अपनी ?आरक्षण संबंधी रिपोर्ट 14 अगस्त 2026 तक तैयार करके सौंपने के लिए कहा है। अगर रिपोर्ट 14 अगस्त तक आ जाती है तो पंचायती राज विभाग 31 अगस्त तक सभी वर्गों के आरक्षण निर्धारित कर देगा। इस प्रक्रिया के पूरा होने के बाद आयोग कितने समय में चुनाव करवा सकता है।

दो और चार चरण में करवाने पड़ेंगे चुनाव

आयोग ने इस लेटर के जवाब में बताया- अगर आरक्षण का निर्धारण हो जाता है तो विभाग जिस दिन भी चुनाव संबंधी रिलीज जारी करेगा, उसके 90 दिन के अंदर चुनाव हो जाएंगे। इसमें 50 दिन का समय पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव में लगेगा और 40 दिन का समय नगरीय निकाय चुनाव में। आयोग ने बताया- बढ़ी हुई पंचायतें और संसाधनों को देखते हुए पंचायत चुनाव 4 चरण में करवाए जाने संभावित है, जबकि नगरीय निकाय चुनाव 2 चरणों में पूरे होंगे।

राजस्थान हाईकोर्ट ने क्या कहा था?

राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने प्रदेश में पंचायत और निकाय चुनाव 31 जुलाई तक कराने के निर्देश दिए थे। सरकार ने कोर्ट से दिसंबर तक का समय मांगा था। हाईकोर्ट ने आदेश में कहा था- ओबीसी आयोग के गठन को 1 साल से ज्यादा का समय हो चुका है। आयोग के इस ढुलमुल रवैये को पंचायत और शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के संचालन में बाधा नहीं बनने देंगे। कोर्ट ने कहा था- बारिश और भीषण गर्मी जैसे बहाने राजस्थान में मान्य नहीं हैं, क्योंकि यहां ऐसी कोई मौसम की चरम स्थिति नहीं है, जिसे नागरिक सहन न कर सकें। राज्य सरकार या उसके अधिकारियों का कामकाज मौसम की स्थिति के कारण नहीं रुकता।

केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के चार निजी सचिवों को हटाया

मुख्य निजी सचिव को मूल कैडर में भेजा, दो की सेवा खत्म की

जयपुर। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्री भूपेंद्र यादव के 4 निजी सचिवों को एक साथ हटा दिया गया। इसके बाद राजनीतिक गलियारों और सोशल मीडिया में इस घटनाक्रम को सामान्य प्रक्रिया नहीं माना जा रहा। इस तरह से किसी कैबिनेट मंत्री के पूरे निजी स्टाफ को बदल देना कठोर प्रशासनिक कदम माना जा रहा है। हालांकि सरकार और विभाग की तरफ से इस घटनाक्रम पर कोई बयान जारी नहीं किया गया। ये ऑर्डर 3 जुलाई को जारी किए गए थे। इस संबंध में केंद्रीय मंत्री ने भी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

मुख्य निजी सचिव 6 साल से मंत्री के साथ थे

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग की मंजूरी के बाद अलग-अलग आदेश जारी किए गए। इसमें भूपेंद्र यादव के मुख्य निजी सचिव अमर सिंह को हटाकर उनके मूल कैडर में

भेज दिया गया। अमर सिंह 2010 बैच के आईआरएस-आईटी अधिकारी हैं। यादव जब साल 2021 से 2024 तक श्रम मंत्री रहे, तब भी सिंह उनके निजी सचिव थे। साल 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद यादव के पर्यावरण मंत्री बनने पर अमर सिंह को फिर निजी सचिव नियुक्त किया गया था।

दो निजी सचिवों की सेवा समाप्त

इसके अलावा मंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शैलेश कुमार सिंह को समय से पहले एक्सटेंडेड कूलिंग ऑफ के साथ उनके मूल विभाग में वापस भेजा गया है। वहीं अतिरिक्त निजी सचिव आयुष सारण और सहायक निजी सचिव सिद्धार्थ यादव की सेवाएं तुरंत प्रभाव से समाप्त कर दी गई हैं।

कांग्रेस नेताओं ने सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

उधर, मामले को लेकर कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश और राजस्थान में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया है।

शेरनी तारा के नवजात शावक का दम घुटा, मौत

अपने बच्चे को मुंह में दबाकर इधर-उधर घुमती रही शेरनी, 9 दिन में दो शावकों ने तोड़ा दम

जयपुर। नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क स्थित लायन सफारी में शेरनी तारा ने हाल में एक शावक को जन्म दिया था। इस नवजात शावक की आज सुबह श्वास नली के सिकुड़ने से (एस्फीक्सिया रिजल्टिंग फॉर्म ट्रेक्सल कॉलेप्स) दम घुट गया और मौत हो गई। वन विभाग ने मेडिकल बोर्ड से शावक का पोस्टमार्टम कराया, जिसमें इसका खुलासा हुआ। इससे पहले 29 जून को भी शेरनी तारा के एक शावक की मौत हो गई थी। ऐसे में 9 दिन में नाहरगढ़ बायोलॉजिकल पार्क में दूसरे शावक की मौत हो गई है। जिसके बाद वन्य जीव प्रेमियों ने बायोलॉजिकल पार्क प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आज सुस्त नजर आया था,दूध पीना छोड़ा था

उप वन संरक्षक (वन्यजीव) विजय पाल ने बताया कि जन्म के बाद शावक का उसकी मां तारा के साथ पुनर्मिलन कराया गया था। शेरनी अपने शावक की सामान्य रूप से देखभाल कर रही थी। उसके व्यवहार में किसी प्रकार की असामान्यता नहीं थी। मंगलवार सुबह शावक अचानक सुस्त नजर आने लगा।

आरसीए में चुनाव का रास्ता साफः सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कब तक चुनाव नहीं कराओगे

एडहॉक कमेटी की याचिका को बताया बेतुका

जयपुर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में चुनाव कराने का रास्ता पूरी तरह साफ हो गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए याचिका को बेतुका बताया। इसके बाद पूर्व एडहॉक कमेटी के सदस्यों की ओर से दायर विशेष अनुमति याचिका वापस ले ली गई है।हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगाने का प्रयास पूरी तरह विफल हो गया। अब आरसीए में चुनाव प्रक्रिया प्रशासक की निगरानी में आगे बढ़ेगी। एडहॉक कमेटी के कुछ सदस्यों ने खुद को राजस्थान क्रिकेट संघ का प्रतिनिधि बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की थी। उनकी ओर से अधिवक्ता नरेंद्र सिंह यादव ने पक्ष रखा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- ऐसे कब तक चुनाव नहीं कराओगे

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस आलोक आराधे की खंडपीठ ने नाराजगी जताते हुए एडहॉक कमेटी के सदस्यों की ओर से दायर याचिका को बेतुका बताया। कोर्ट ने कहा- एडहॉक कमेटी को अस्थायी तौर पर चुनाव कराने के लिए गठित किया गया था। लेकिन बार-बार एडहॉक कमेटी का समय बढ़ाकर उसे ही संचालन का जिम्मा दे दिया गया। ऐसे कब तक चुनाव नहीं कराओगे।

एसोसिएशन के नाम से याचिका दायर करने का अधिकार नहीं

मंगलवार को सुनवाई के दौरान सरकार ने कहा कि एडहॉक कमेटी को एसोसिएशन के नाम से याचिका दायर करने का कोई अधिकार नहीं है। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के नाम से दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को प्रशासक और उनके निर्देश पर दायर याचिका नहीं माना जा सकता है। कोर्ट और सरकार के रुख देखते हुए पूर्ववर्ती एडहॉक कमेटी ने अपनी याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी। जिसे कोर्ट ने स्वीकार कर लिया है।

हाईकोर्ट का आदेश प्रभावी रहेगा

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद अब हाईकोर्ट का 1 जुलाई 2026 का आदेश पूरी तरह प्रभावी रहेगा। इसके तहत प्रशासक भास्कर ए. सावंत की निगरानी में राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनाव कराए जाएंगे। प्रशासक को मतदाता सूची को अंतिम रूप देना, निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति करना, चुनाव कार्यक्रम जारी करना और निर्धारित समय-सीमा में पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न करानी होगी। साथ ही 29 जुलाई 2026 तक चुनाव कार्यक्रम हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करना होगा।

राजस्थान के क्रिकेट पर एक एडहॉक कमेटी थोपी गई थी

कोर्ट में याचिका लगाने वाले राजीव प्रताप सिंह राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के क्रिकेट पर एक एडहॉक कमेटी थोप दी गई थी। जबकि जिला क्रिकेट संघ को यह काम करना चाहिए था। इसलिए मैंने कोर्ट में याचिका लगाई थी। ताकि राजस्थान के क्रिकेट और खिलाड़ियों को राहत मिल सके। जब कोर्ट ने इन्हें सस्पेंड कर दिया, तब एडहॉक कमेटी के सदस्य सुप्रीम कोर्ट चले गए। लेकिन वहां भी इनके पास कोई तथ्य नहीं था। इसके बाद अब कोर्ट के फैसलों के अनुरूप काम किया जाएगा। अगले 3 महीने में राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन के चुनाव संपन्न होंगे। इस दौरान क्रिकेट गतिविधियों का संचालन नियमित चलता रहेगा। लेकिन बारिश के मौसम में वैसे भी क्रिकेट गतिविधियां नहीं होती है। ऐसे में मुझे नहीं लगता कि राजस्थान के खिलाड़ियों को किसी तरह का नुकसान आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

इसलिए चर्चा में कमेटी

दरअसल, राजनीतिक रूप से भी यह कमेटी चर्चा में थी। क्योंकि इसके अधिकांश सदस्य प्रदेश के प्रभावशाली राजनीतिक परिवारों से जुड़े हैं। मोहित यादव भाजपा विधायक जसवंत यादव के पुत्र हैं। धनंजय सिंह स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के पुत्र हैं।

यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने बारां में शहरी सेवा शिविर का किया अवलोकन, आमजन की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश

● अतुल्य संसार नेटवर्क

बारां। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा एक दिवसीय दौरे पर बारां पहुंचे। कोटा से सड़क मार्ग द्वारा बारां पहुंचने पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बारां आगमन के पश्चात मंत्री खर्रा ने शहर के एक निजी होटल में आयोजित न्यूज चैनल के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। इसके पश्चात उन्होंने नगर परिषद बारां में आयोजित शहरी सेवा शिविर का अवलोकन किया। शिविर में आमजन ने नगर परिषद से संबंधित पेयजल, सफाई, पट्टा, अतिक्रमण, स्ट्रीट लाइट, सड़क एवं अन्य समस्याओं को लेकर अपनी शिकायतें प्रस्तुत की। उन्होंने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को मौके पर ही समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सेवा शिविर का उद्देश्य आमजन को उनके घर के पास ही सरकारी सेवाएं और राहत उपलब्ध कराना है। मंत्री खर्रा ने अतिरिक्त जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल, नगर परिषद आयुक्त सहित अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिविर में प्राप्त सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। पात्र लाभार्थियों को पट्टा, पेंशन, आवास जैसी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के दिया जाए। सफाई व्यवस्था एवं पेयजल आपूर्ति को और अधिक सुदृढ़ किया जाए। इस अवसर पर विधायक राधेश्याम बैरवा, विधायक ललित मीणा एवं अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री ने कहा कि टीम भावना से काम कर बारां को विकास के क्षेत्र में अग्रणी बनाया जाएगा।

सूरत में करंट लगने से 2 लोगों की मौत, पड़ोसी को बचाने की कोशिश में गई एक की जान

सूरत। गुजरात के सूरत में बारिश के बीच बिजली की झटका लगने से दो लोगों की मौत हो गई। 28 साल के दिहाड़ी मजदूर आजम अब्दुल कमाल अपने घर की लोहे की सीढ़ियों पर चढ़ रहे थे, तभी उन्हें बिजली का झटका लगा। उनकी चीखें सुनकर, पड़ोसी मोहम्मद सलमान इरशाद शेख उन्हें बचाने के लिए दौड़े। जैसे ही उन्होंने आजम के छुआ, उनके भी शरीर में भी करंट दौड़ गया।

'नशे को ना, सपनों को हां' का संदेश: तीन विद्यालयों में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को किया जागरूक

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/चिड़ावा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार 'ट्रांसफॉर्मेटिव ट्यूज़डे विधिक साक्षरता एवं जनजागरूकता कार्यक्रम' के तहत जुलाई माह का पहला जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। 'नशे को ना कहें और अपने सपनों को हां कहें' विषय पर आयोजित इस अभियान के अंतर्गत चिड़ावा के तीन अलग-अलग विद्यालयों में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों, कानूनी अधिकारों और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया। लोहिया स्कूल में तालुका विधिक सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि गांजा, अफीम और अन्य मादक पदार्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य, भविष्य, परिवार और समाज के लिए घातक हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने तथा किसी भी प्रकार

की परेशानी या दबाव की स्थिति में कानून की सहायता लेने का आह्वान किया। इस अवसर पर करणी सिंह शेखावत, रीडर संदीप मीणा और होमगार्ड दलिप कुमार ने भी नशे के कारणों और उसकी रोकथाम के उपायों की जानकारी दी। विद्यालय निदेशक रामसिंह नेहरा, अभय सिंह बडेसरा, सचिव प्रदीप नेहरा, चेयरपर्सन ममता नेहरा, प्रमिला झाझड़िया, पूरणमल गजराज सहित विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। निदेशक जगपाल यादव ने अतिथियों का स्वागत किया, जबकि प्राचार्य प्रमोदिनी दुबे ने आभार व्यक्त किया। शिक्षक दीपक शर्मा ने विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज निर्माण की शपथ दिलाई। इसी क्रम में पीसीपी स्कूल में अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मदनलाल बेदी ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर शिक्षा और अच्छे संस्कारों को अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम में मनोज, प्रदीप, अनिल सहित विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। वहीं डालमिया स्कूल में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रतीक यादव ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराते हुए जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में कृष्ण दाधीच सहित विद्यालय का स्टाफ मौजूद रहा। तीनों विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को स्पष्ट संदेश दिया कि नशे से दूरी ही सुरक्षित, स्वस्थ और उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है, जबकि विधिक जागरूकता प्रत्येक नागरिक को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति सजग बनाती है।

राजसमंद पुलिस की अनोखी पहल: ड्रग्स के खिलाफ वेब फिल्म शिकंजा का पोस्टर विमोचन

राजसमंद। युवाओं में लगातार बढ़ती ड्रग्स के नशे की लत, सामाजिक अस्वीकृति और इसके विनाशकारी दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए निर्मित की गई वेब फिल्म %शिकंजा% के पोस्टर का भव्य विमोचन किया गया। एक सादे गरिमापूर्ण समारोह में जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा, पुलिस अधीक्षक (स्क्र) हेमंत कलाल, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा और एसडीएम बृजेश गुप्ता ने इस पोस्टर को लॉन्च किया। यह फिल्म जाह्नवी कला परिषद और साउंड ऑफ लाइफ द्वारा जिला पुलिस के विशेष सहयोग से तैयार की गई है।

मनोरंजक तरीके से दिया गया है बड़ा संदेश

पोस्टर विमोचन के दौरान जिला कलेक्टर अरुण कुमार हसीजा ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा

राजसमंद पुलिस ने युवाओं को नशे के जाल से बचाने और उन्हें जागरूक करने के लिए शिकंजा नाम से एक बेहतरीन लघु फिल्म बनाई है। राजसमंद एसपी हेमंत कलाल की प्रेरणा से तैयार की गई यह 30 मिनट

की फिल्म बेहद मनोरंजक और प्रभावशाली तरीके से नशे के खतरों को उजागर करती है। कलेक्टर और पुलिस प्रशासन ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि वे इस फिल्म को खुद भी देखें और समाज में इसे ज्यादा से ज्यादा साझा करें, ताकि युवा पीढ़ी को इस जानलेवा लत से बचाया जा सके।

समारोह में ये रहे मौजूद

इस खास अवसर पर प्रशासन और फिल्म जगत से जुड़ी कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं, जिनमें प्रशासनिक अधिकारी- डॉ. सतीश शर्मा (संयुक्त निदेशक, पशुपालन विभाग) फिल्म टीम- मनोज पोरवाड़ (फिल्म निर्देशक) अन्य अतिथि व कलाकार- डॉ. जगदीश जीनगर, प्रेम शंकर भट्ट, महेंद्र कुमावत, दिनेश कुमार सालवी, संतोष अग्रवाल, सुरेश भाट और शिव कुमार खेड़ सहित फिल्म की पूरी स्टार कास्ट उपस्थित रही। मुख्य संदेश- नशा एक शिकंजा है, जिससे दूरी ही समझदारी है। राजसमंद पुलिस की इस मुहिम से जुड़ें और समाज को नशामुक्त बनाने में अपना योगदान दें।

यूडीएच मंत्री खर्रा अपनी नाकामियों को छिपाकर कांग्रेस के ऊपर दोषारोपण कर रहे हैं पट्टे के नाम लीपापोती कर अपना फोटो खिंचवाकर जनता को गुमराह कर कोरी वाहवाही लूट रहे है-राखी गौतम

भाजपा सरकार हार के डर से पंचायत, निकाय चुनाव टाल रही है-राखी गौतम

● अतुल्य संसार नेटवर्क

कोटा। यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा के कोटा में आकर कांग्रेस पर बंदरबांट और आर्थिक कुप्रबंधन का आरोप लगाने को लेकर शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राखी गौतम ने झाबर सिंह खर्रा के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा सरकार के मंत्री जनता को भ्रमित एवं झूठ बोलकर कर जनता को गुमराह करने का षड्यंत्र सोची-समझी साजिश के तहत बयान बाजी कर रहे है राखी गौतम ने कहा हकीकत यह है कि कांग्रेस शासन में नगरीय निकायों ने गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों को पट्टे देकर उन्हें आशियाना बनाने और उन्हें रहने का हक दिया, नई कॉलोनियां विकसित कीं और शहर का विकास कर विस्तार किया। आज भाजपा सरकार पट्टा शिविर के नाम पर सिर्फ फोटो खिंचवा कर पट्टे देने के नाम पर लीपापोती कर रही है विकास के नाम पर इनकी इच्छा शक्ति कमजोर नजर आ रही है

राखी गौतम ने मंत्री को घेरते हुए कहा कि खुद मंत्री को कोटा में सेल परमिशन की अनिवार्यता पर जांच के आदेश देने पड़े, इससे साफ जाहिर होता है कि लूट और भ्रष्टाचार भाजपा राज में चरम सीमा पार कर चुका है जिसकी खबरे रोज समाचारों में पढ़ने को मिल रही है जनता से छुपा हुआ नही है कांग्रेस राज में यह नही था गौतम ने कहा कि मंत्री कहते हैं कि कांग्रेस ने निकायों की परिसंपत्तियां अपने लोगों में बांट दीं और 8 गुना खर्च कर दिया। मैं उनसे पूछना चाहती हूं कि यदि कांग्रेस ने सब लूट लिया था तो भाजपा सरकार ढाई वर्षो में कोटा की सड़कों,

नालियों और सफाई व्यवस्था को क्यों नहीं सुधार पाई तथा विकास तो दूर कांग्रेस के विकास कार्यो का रख रखाव भी कर पाई कांग्रेस के समय निकायों के पास अपनी आय के स्रोत थे। भाजपा सरकार ने तस्ज्ञ की राशि रोककर और केंद्र से मिलने वाले फंड को कम करके जानबूझकर निकायों को आर्थिक रूप से कमजोर किया है। अब अपनी नाकामी छुपाने के लिए कांग्रेस को दोषी ठहराया जाकर दोषारोपण कर रही है

राखी गौतम ने मंत्री खर्रा के OBC आरक्षण को लेकर दिये गये बयान को निराशाजनक एवं घोर आपत्तिजनक बताया उन्होंने कहा कि खर्रा मंत्री कह रहे हैं कि विपक्ष लिखित सहमति दे तो बिना OBC आरक्षण चुनाव करा देंगे। OBC आरक्षण कोई सौदेबाजी का विषय नहीं है, ये संविधान प्रदत्त अधिकार है। कांग्रेस पार्टी स्पष्ट रूप से मांग करती है कि OBC को पूरा आरक्षण देकर ही निकाय चुनाव कराए जाएं। लेकिन भाजपा सरकार चुनाव के हार के डर से 1 साल से चुनाव टालकर लोकतंत्र की हत्या कर रही है और अब OBC के नाम पर राजनीति करके जनता को भ्रमित कर रही है। कोटा की जनता सब देख रही है। मंत्री को चाहिए कि वह पिछले ढाई वर्षो के अपने विकास का डोल पीट रहे हैं उसका हिसाब दें अपने जिम्मेदारी से क्यो भाग रहे है झूठे आरोप लगाने से सच्चाई छिप नही सकती जनता सब समझ रही है।

दुष्कर्म के आरोपी प्रधानाचार्य को तत्काल निलंबित करने के निर्देश, शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने अपनाया कड़ा रुख

डीग ब्लॉक के बरौली चौथ विद्यालय का मामला; नैतिक पतन और विभाग की छवि धूमिल करने वाले कार्मिकों पर होगी सख्त कार्रवाई

● अतुल्य संसार नेटवर्क

दीपचंद शर्मा/ डीग। डीग जिले के एक सरकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य के विरुद्ध दुष्कर्म का गंभीर आपराधिक मामला सामने आने पर शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री श्री मदन दिलावर ने त्वरित और कड़ा प्रशासनिक संज्ञान लिया है। मंत्री श्री दिलावर ने विभाग की छवि धूमिल करने वाले आरोपी प्रधानाचार्य रणधीर सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश निदेशक, माध्यमिक शिक्षा (सीताराम जाट) को दिए हैं। उल्लेखनीय है कि आरोपी रणधीर सिंह डीग ब्लॉक के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बरौली चौथ में प्रधानाचार्य के पद पर कार्यरत है। उक्त प्रधानाचार्य के खिलाफ भरतपुर जिले के उद्योग नगर थाने में एक युवती द्वारा दुष्कर्म का मामला दर्ज कराते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई गई है ।एक लोक सेवक और संस्था प्रधान के विरुद्ध नैतिक अधोपतन तथा अत्यंत गंभीर धाराओं में आपराधिक प्रकरण दर्ज होने को शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर ने बेहद संजीदगी से लिया है। उन्होंने साफ तौर पर निर्देशित किया है कि शिक्षण संस्थानों में इस प्रकार का आचरण और अनैतिक कृत्य किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विभाग की गरिमा अक्षुण्ण बनाए रखने और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आरोपी प्रधानाचार्य के खिलाफ तुरंत निलंबन की सख्त कार्रवाई अमल में लाई गई है।

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट केस में 38 दोषियों की फांसी बरकरार

अहमदाबाद। गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। आज जस्टिस एवाई कोगजे और समीर दवे की बेंच ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया। कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए।

2009 में ट्रायल की शुरुआत,

लॉकडाउन में भी सुनवाई

धमाकों के बाद पुलिस ने अहमदाबाद की सभी ब्लास्ट साइट्स और सूरत में मिले बमों के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कीं। बाद में करीब 35 मामलों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। सभी मामलों को एक साथ जोड़ने के बाद 2009 में इस केस का ट्रायल शुरू हुआ। जांच और अदालत की सुनवाई 12 साल तक चली। करीब 80 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। कोरोना के समय भी सुनवाई बंद नहीं हुई। प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल की अदालत में 1,100 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज कराए। कोर्ट में 6,000 से अधिक दस्तावेज पेश किए गए। मामले में 5,47 चार्जशीट के कुल 3,47,800 पन्ने दाखिल किए गए, जबकि सिर्फ मुख्य चार्जशीट ही 9,800 पन्नों की थी।

गुहाला सेडुवाली डेहरा जोहड़ी हीरानगर मैं एक शाम माता रानी के नाम

10 जुलाई को आयोजित होने वाले कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोर-शोर से

51 मीटर की पैदल चुनरी यात्रा भी निकाली जाएगी

भजन संध्या एवं विशाल भंडारे का भी होगा आयोजन

● अतुल्य संसार नेटवर्क

सुमेर सिंह राव/ उदयपुरवाटी। सीकर जिले के गुहाला में आगामी 10 जुलाई को एक शाम माता रानी के नाम पर विशाल भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा द्य मां शाकंभरी के भक्त किशन लाल सैनी व हरफूल सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 10 जुलाई को रात्रि 9-15 बजे से विशाल भजन संध्या में आरके म्यूजिकल ग्रुप एंड पार्टी द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी जाएगी। किशन लाल सैनी व हरफूल सैनी के अनुसार 10 जुलाई को ही भगवान शंकर के मंदिर से माता जी के मंदिर तक 51 मीटर की पैदल चुनरी यात्रा भी निकाली जाएगी जिसमें हजारों की तादाद में श्रद्धालु नाचते गाते चुनरी यात्रा में भाग लेंगे द्य रामनिवास सैनी ,गोपाल सैनी व शिवराम सैनी ने जानकारी देते हुए बताया कि 9 जुलाई को प्रात: 8-15 बजे हवन का कार्यक्रम आयोजित होगा।

10 जुलाई को दोपहर 12-15 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा रात्रि में भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी द्य भजन संध्या में सिंगर लोकेश मारवाड़ी, डांसर विकी तूफान, डांसर प्रवीण चौधरी, पेडिस्ट अमित योगी, ढोलक वादक समीर,छैल भंवर पूरण सैनी व सोनू जादूगर द्वारा 10 जुलाई को रात्रि में रंगारग प्रस्तुति दी जाएगी।

चांदीपुरा वायरस का कहर: गोधरा में दो बच्चों की मौत, स्वास्थ्य विभाग ने संभाला मोर्चा

गोधरा में चांदीपुरा वायरस से दो बच्चों की मौत।

स्वास्थ्य विभाग ने रेत मक्खी नियंत्रण के लिए अभियान चलाया।

प्रभावित गांवों में टीमें तैनात, घर-घर सर्वेक्षण जारी।

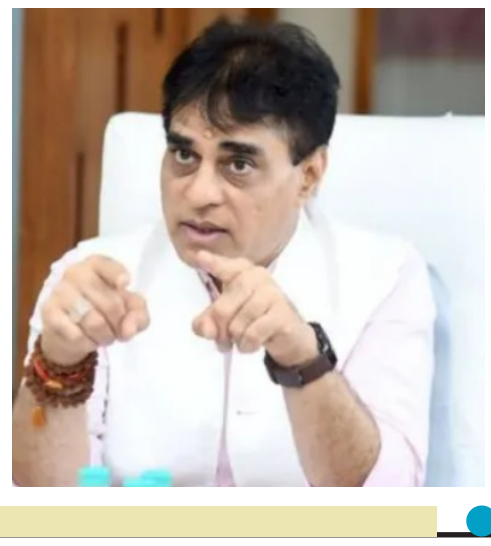

दाहोद। गोधरा तालुका के विनजोल और जितपुरा गांवों के दो मासूम बच्चों की चांदीपुरा वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद मौत हो गई है, जो एक बेहद दुखद घटना है। स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। जिन गांवों में ये मामले सामने आए हैं, वहां जांच के दौरान रेत मक्खी नामक एक मक्खी पाई गई है। स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पंशेरिया ने बताया कि यह मक्खी आमतौर पर मिट्टी के घरों की दरारों में रहती है, इसलिए आसपास के सभी घरों

और पूरे क्षेत्र में दवा का गहन छिड़काव शुरू कर दिया गया है ।चंडीपुरा वायरस के नियंत्रण के संबंध में स्वास्थ्य मंत्री प्रफुल पंशेरिया की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग के उच्च पदस्थ अधिकारियों के साथ आज गांधीनगर में एक बैठक आयोजित की गई। स्वास्थ्य मंत्री पंसहेरिया ने आगे जानकारी देते हुए बताया कि पंचमहल जिले के गोधरा तालुका के दो गांवों में चंडीपुरा वायरस के संदिग्ध मामले सामने आने के बाद प्रयोगशाला रिपोर्ट में दो बच्चों की इस दुखद घटना की पुष्टि होने पर राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह सतर्क और गंभीर हो गए हैं। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल आवश्यक कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि गोधरा और वडोदरा मेडिकल कॉलेजों की दो विशेष टीमें दोनों प्रभावित गांवों में पहुंच चुकी हैं और गोधरा तालुका की स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर गहन सर्वेक्षण और जांच कर रही हैं। एहतियाती उपाय के तौर पर, उन सभी जिलों और गांवों में भी सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है जहां वर्ष 2024 की शुरुआत में चंडीपुरा वायरस के मामले सामने आए थे। इसके अलावा, सभी स्वास्थ्य केंद्रों पर आवश्यक दवाओं और पाउडर की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध करा दी गई है। यदि किसी बच्चे में बुखार, उल्टी या बेहोशी जैसे संदिग्ध लक्षण दिखाई दें, तो मंत्री ने तत्काल उपचार के लिए निकटतम स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करने की अपील की है। स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य के नागरिकों को आश्वस्त करते हुए कहा कि अब तक इन दो गांवों के अलावा कहीं और चंडीपुरा वायरस का कोई मामला सामने नहीं आया है। जनता को घबराने की बिल्कुल जरूरत नहीं है, कुछ सावधानियां बरतकर हम इस बीमारी को फैलने से रोक सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि मिट्टी के घरों की दरारों को भरना, घर के आसपास साफ-सफाई बनाए रखना और बच्चों को मच्छरों या मक्खियों के काटने से बचाना बहुत जरूरी है।

जम्मू-कश्मीर के डोडा में बादल फटने से बाढ़

पहाड़ से गिरे पत्थर और मिट्टी से घर-दुकानें बर्बाद हुईं; एमपी में क्रेन-जेसीबी नदी में बहे

डोडा, जम्मू-कश्मीर

भोपाल/जयपुर/लखनऊ/पटना। जम्मू-कश्मीर के डोडा में ऊपरी इलाके में बादल फटने से बाढ़ आ गई। पहाड़ों से पत्थर और मलबा गिरने से घर और दुकानों को नुकसान पहुंचा है। सड़कों पर कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। महाराष्ट्र के कई जिलों में लगातार भारी बारिश हो रही है। मुंबई में पिछले 48 घंटे में करीब 15 इंच (380 मिमी) बारिश दर्ज की गई। मुंबई के सभी सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। नासिक में भी आज सभी स्कूल और कॉलेज बंद हैं। त्र्यंबकेश्वर मंदिर और महाराष्ट्र के साढ़े तीन शक्तिपीठों में शामिल सप्तश्रृंगी मंदिर भी श्रद्धालुओं के लिए आज बंद रहेंगे। वहीं, मध्य प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश हुई। खजुराहो में सबसे ज्यादा 4.4 इंच बारिश दर्ज की गई। बमीठा में नेशनल हाईवे-39 पर 3 फीट तक पानी भर गया। बालाघाट में बाघ नदी उफान पर आने से पुल निर्माण में लगी कार, जेसीबी और लोडर तेज बहाव में बह गए।

गोल्डन टेंपल में निक्कर पहने विदेशी कपल को रोका

पूछा- कितने का टिकट; सिख बोला- एंट्री फ्री, पहले पूरे कपड़े पहनकर आओ

मानव, अमृतसर। अमृतसर स्थित गोल्डन टेंपल में निक्कर पहन कर माथा टेकने जा रहे विदेशी कपल को सिख ने रोक दिया। महिला और युवक दोनों ने निक्कर पहनी हुई थी। सिख ने उन्हें गेट पर रोका और नियमों के बारे में बताया। सिख ने उन्हें कहा कि निक्कर पहनकर अंदर जाना मना है। इस दौरान विदेशी महिला ने टिकट के बारे में भी पूछा, जिस पर उसे बताया गया कि यहां एंट्री पूरी तरह फ्री है। दोनों को पूरे कपड़े पहनकर आने की सलाह दी। नियम समझने के बाद विदेशी महिला ने सहमति जताई। ये वीडियो 4 जुलाई का है। जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। गुरुघर की मर्यादा से अवगत कराने के लिए सूचना बोर्ड लगाया गया है। इन पर स्पष्ट लिखा है कि कैप, शॉर्ट पैंट (निक्कर), कैप्री, मोजे और मिनी स्कर्ट पहनकर प्रवेश की अनुमति नहीं है। श्रद्धालुओं से सिर ढकने और पूरे कपड़े पहनकर ही गुरुद्वारा साहिब में प्रवेश करने की अपील की गई है। वीडियो में दिख रहा कि एक विदेशी महिला और उसके साथ मौजूद युवक गोल्डन टेंपल में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे थे। तभी एक सिख ने उन्हें बताया कि गुरुद्वारा साहिब के अंदर निक्कर या हाफ पैंट पहनकर जाना मना है। उन्होंने समझाया कि दर्शन करने के लिए पूरे कपड़े या पजामा पहनना जरूरी है। बातचीत के दौरान विदेशी महिला ने पूछा कि क्या अंदर जाने के लिए किसी प्रकार का टिकट लेना पड़ता है। इस पर स्पष्ट किया कि गोल्डन टेंपल में प्रवेश पूरी तरह फ्री है और केवल गुरुघर की मर्यादा के अनुसार कपड़े पहनना जरूरी है। इसके बाद महिला ने अपने साथी की ओर इशारा करते हुए पूछा कि क्या उन पर भी यही नियम लागू होता है। सिख ने बताया कि यह नियम सभी श्रद्धालुओं और टूरिस्टों पर समान रूप से लागू होता है, चाहे वे किसी भी देश या धर्म से संबंध रखते हों। सिख ने दोनों को पास के बाजार से पायजामा या पूरे कपड़े खरीदने की सलाह भी दी।

राजुला-खांभा में 12 इंच बारिश से बाढ़ के हालात

अमरेली में नदियां उफान पर आईं, हाईवे बंद होने से 20 गांवों का संपर्क टूटा

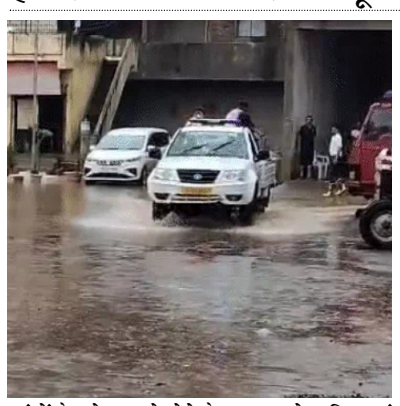

अमरेली। गुजरात में अमरेली जिले के राजुला और खम्भा पंथक में बारिश ने भयंकर रूप ले लिया है। पिछले 24 घंटों में खांभा ग्रामीण और राजुला पंथक में 12 इंच से अधिक भारी बारिश हुई है, जिससे पूरा इलाका जलमग्न हो गया है। धतावाडी और रायडी बांधों के ओवरफ्लो होने के बाद 11 से अधिक गांवों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। बाढ़ की भयावह स्थिति को देखते हुए स्थानीय विधायक हीरा सोलंकी ने एक वीडियो जारी कर स्थानीय तैराकों से सरकारी सहायता पहुंचने से पहले बचाव अभियान में शामिल होने का आह्वान किया है। खांभा के ग्रामीण इलाकों में 8 इंच और पंथक में कुल 12 इंच बारिश के कारण नागेश्री नेशनल हाईवे पूरी तरह से ठप हो गया है। चोटिला-खम्भा से नागेश्री जाने वाला नेशनल हाईवे भी अवरुद्ध हो गया है। रानीगापारा गांव के पास कोजीखान के नजदीक बने अस्थायी पुल का मार्ग बाढ़ के तेज पानी में बह गया है। शहर और जिले में लगातार दो दिन तक भारी बारिश के चलते तापी नदी में 51 हजार क्यूसेक पानी की भारी आवक होने से सीजन में पहली बार वियर-कम-कॉजवे ओवरफ्लो हो गया है। जलस्तर खतरे के निशान को पार कर 6.80 मीटर तक पहुंच गया। इस बीच यहां बने मनमोहक दृश्यों को कैमरे में कैद करने के लिए कॉजवे के पास लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी।

भारतवंशी बिजनेसमैन ने इंडोनेशियाई राष्ट्रपति से 425 करोड़ ठगे

सीआईए एजेंट बताकर प्रेसिडेंट का भरोसा जीता, बोला- 36 फाइटर प्लेन, मिलिट्री सिस्टम दिला दूंगा

नई दिल्ली। अमेरिका में धोखाधड़ी के मामलों का सामना कर रहे भारतवंशी कारोबारी गौरव श्रीवास्तव पर अब इंडोनेशिया में भी बड़े फर्जीवाड़े का आरोप लगा है। OCCRP और इंडोनेशियाई मैगजीन टेम्पो की रिपोर्ट के मुताबिक, गौरव ने खुद को CIA एजेंट बताकर राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो (तब रक्षा मंत्री) का भरोसा जीता और रक्षा सौदों के नाम पर 425 करोड़ रुपए का फर्जी कर्ज मंजूर करा लिया। रिपोर्ट के अनुसार, गौरव ने 36 F-15 लड़ाकू विमान, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर और मिलिट्री कमांड सिस्टम दिलाने का दावा किया। जांच में पता चला कि जिन चार कंपनियों के जरिए उसने पांच रक्षा सौदे हासिल किए, वे सभी शेल कंपनियां थीं। बाद में टैक्स नहीं चुकाने पर इन्हें बंद कर दिया गया। सिर्फ 36 Su-15 लड़ाकू विमानों की संभावित डील ही करीब 1.32 लाख करोड़ रुपए की थी। बताया गया है कि यह कथित फर्जीवाड़ा 2020 से 2022 के बीच हुआ। आरोप है कि इसी रकम से गौरव ने लॉस एंजिलिस में करीब 208 करोड़ रुपए का आलीशान बंगला खरीदा। अमेरिका में उसके खिलाफ 2024 से धोखाधड़ी समेत कई मामले दर्ज हैं।

प्रबोवो गौरव को 'मिस्टर G' बुलाते कहते थे

रिपोर्ट के मुताबिक गौरव ने प्रबोवो का इतना भरोसा जीत लिया था कि वे उसे मिस्टर जी कहकर बुलाते थे। उसने राष्ट्रपति के निजी जीवन से जुड़ी ऐसी जानकारियों का भी इस्तेमाल किया, जो केवल उनके करीबी लोगों को पता थीं। इनमें यह बात भी शामिल थी कि प्रबोवो अपने घर के मकड़ी के जालों को प्रकृति का हिस्सा मानते हैं और उन्हें साफ नहीं कराते। गौरव ने यह भी दावा किया कि उसने 2002 के बाली बम धमाकों के आतंकियों को पकड़वाने और प्रबोवो का नाम अमेरिकी इमिग्रेशन की ब्लैकलिस्ट से हटवाने में मदद की थी। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता रिको सिराइत ने कहा कि

जिन रक्षा सौदों पर बातचीत हुई थी, वे आखिरी समझौते तक नहीं पहुंचे थे। इसलिए सरकार को कोई सीधा आर्थिक नुकसान नहीं हुआ।

खुद को बाइडेन का करीबी बताता था गौरव

अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स और अदालत में दायर मुकदमे के मुताबिक गौरव श्रीवास्तव खुद को तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलीवन, सीनेटर चक शूमर और कई सैन्य अधिकारियों का करीबी बताता था। वह इन नेताओं और अधिकारियों के साथ अपनी तस्वीरें दिखाकर लोगों को यकीन दिलाता था कि उसकी पहुंच अमेरिकी सत्ता और सुरक्षा तंत्र के टॉप तक है। हालांकि, बाद में आई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि इन नेताओं तक उसकी पहुंच किसी सरकारी भूमिका की वजह से नहीं, बल्कि राजनीतिक चंदे, सार्वजनिक कार्यक्रमों और आयोजनों के जरिए बनी थी। मुकदमे में आरोप है कि गौरव ने इसी छवि का इस्तेमाल कर कई कारोबारियों और विदेशी अधिकारियों का भरोसा जीता।

सीआईए एजेंट बताकर सुनाता था जेम्स बॉन्ड जैसी कहानियां

अमेरिका में दायर केस के मुताबिक गौरव श्रीवास्तव खुद को अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए का नॉन-ऑफिशियल कवर एजेंट बताता था। लोगों का भरोसा जीतने के लिए वह जासूसी मिशनों से जुड़ी कई कहानियां सुनाता था। गौरव दावा करता था कि उसने सीआईए के ट्रेनिंग सेंटर द फार्म में विशेष प्रशिक्षण लिया है। वह अपने शरीर पर मौजूद निशानों को गुप्त ऑपरेशन के दौरान लगी चोट बताता था। इसके अलावा वह कहता था कि 2008 में कांगो में एक मिशन के दौरान ISIS ने उसे बंधक बना लिया था, जहां से वह किसी तरह बच निकला। हालांकि, मुकदमे में कहा गया कि ये सभी दावे झूठे थे। जांच में सामने आया कि उसके शरीर पर मौजूद निशान किसी गुप्त मिशन के नहीं, बल्कि बचपन में हुई किडनी की सर्जरी के थे।

तेलंगाना DSP के पास मिली 300 करोड़ की संपत्ति

रिश्तेदारों, दोस्तों और सहयोगियों के नाम पर खरीदी करोड़ों की प्रॉपर्टी

हैदराबाद। तेलंगाना में एक पुलिस अधिकारी के पास करोड़ों रुपए की बेनामी संपत्ति मिली है। सोमवार शाम उन्हें आय से अधिक संपत्ति के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी की पहचान संकीरेड्डी भीम रेड्डी के रूप में हुई है। भीम रेड्डी हैदराबाद में पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस के पद पर तैनात हैं। दोस्तों-सहयोगियों के नाम पर करोड़ों की प्रॉपर्टी जांच में पता चला है कि रेड्डी ने करोड़ों की प्रॉपर्टी तेलंगाना व कर्नाटक में अपने रिश्तेदारों, दोस्तों, कथित बेनामीदारों और सहयोगियों के नाम पर खरीद रखी थी। तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रेड्डी के घर

की तलाशी ली, जिसमें 3.60 लाख रुपए नकद, 2 किलो सोने के गहने और लगभग 20 किलो चांदी के सामान मिले। इसके अलावा लगभग 20 लाख रुपए का बैंक बैलेंस भी मिला है।

डीएसपी की एक डायरी से खुले राज

रेड्डी से संबंधित 16 जगहों पर 2 जुलाई को छापेमारी की गई थी। जांच अधिकारियों को डीएसपी के हाथ से लिखी एक पर्सनल डायरी मिली है। इसमें प्रॉपर्टी, निवेश, देनदारियों और कथित बेनामीदारों के नाम लिखे थे। बताया जा रहा है कि मई में अपनी पत्नी के साथ चार धाम यात्रा पर जाने से पहले भीम रेड्डी ने यह डायरी लिखकर स्कैन की हुई कॉपी वॉट्सऐप के जरिए अपने दोनों बेटों को भेजी थी। ACB का कहना है कि इसी डायरी के आधार पर जांच एजेंसी को कई संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन का पता लगाने में मदद मिली। फिलहाल मामले की जांच जारी है और एजेंसी संपत्तियों तथा वित्तीय दस्तावेजों की विस्तृत जांच कर रही है।

तेलंगाना में पति को ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर डालकर मारा

पत्नी नर्स, एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था; छत से धक्का भी दिया था, लेकिन बच गया

निजामाबाद। तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी खबर सोमवार को सामने आई।

AI जनरेटेड

पहले छत से धक्का दिया, लेकिन प्रशांत बच गया था

पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें झगड़े होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले खूब शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि, गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में खुद गिर गए थे।

इलाज के दौरान टॉयलेट क्लीनर लगाया

जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का आरोप है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया।

मां को हुआ शक, शिकायत के बाद खुला मामला

प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर संदेह हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। असली राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस ने संध्या, अनिल और वेंकट साई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

पेट्रोल में 25% एथेनॉल मिलाने का प्लान टल सकता है

अभी 20% मिलाया जा रहा; इससे माइलेज घटने का दावा, पार्ट्स खराब होने की शिकायत

नई दिल्ली। पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने के विरोध के बीच इसकी मात्रा बढ़ाकर 25% करने की योजना को सरकार फिलहाल आगे बढ़ा सकती है। सरकार इस ट्रांजिशन को जल्दबाजी में करने के बजाय धीरे-धीरे और व्यवस्थित तरीके से लागू करना चाहती है। सरकार ने शुरुआत में साल 2030 तक पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाने का प्लान बनाया था। लेकिन इस टारगेट से बहुत पहले ही ई20 फ्यूल (80% पेट्रोल और 20% एथेनॉल) को पूरे देश में स्टैंडर्ड पेट्रोल के रूप में लागू कर दिया गया है और अब हर जगह यही पेट्रोल मिल रहा है। उधर ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया यानी ARAI की एक स्टडी में सामने आया है कि पुरानी ई10 कंप्लायंट गाड़ियों में ई20 ईंधन का इस्तेमाल करने से फ्यूल सिस्टम के रबर पार्ट्स खराब हो सकते हैं। हालांकि इस रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया गया है।

उत्तराखंड में फोरलेन प्रोजेक्ट के विरोध में मनेगा ब्लैक हरेला

एलीफेंट कॉरिडोर में पेड़ काटने पर उठे सवाल; पर्यावरणविद बोले- कोर्ट में मामला, फिर कटाई क्यों?

देहरादून। ऋषिकेश-भानियावाला फोरलेन परियोजना को लेकर विरोध तेज हो गया है। एलीफेंट कॉरिडोर से गुजर रही इस सड़क के चौड़ीकरण के लिए 4,475 पेड़ों की कटाई शुरू होने पर पर्यावरणविदों, सामाजिक संगठनों और स्थानीय नागरिकों ने गंभीर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि एलीफेंट कॉरिडोर से जुड़ा मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है, फिर भी बड़े पैमाने पर पेड़ों की कटाई की जा रही है। विरोध में 8 जुलाई को हाड्डा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन होगा, जबकि पेड़ों की कटाई के विरोध में इस बार हरेला पर्व (16 जुलाई) को ब्लैक हरेला के रूप में मनाया जाएगा।

20 किमी लंबी सड़क, 743 करोड़ की लागत

राष्ट्रीय राजमार्ग-7 पर भानियावाला से ऋषिकेश तक करीब 20 किमी लंबी फोरलेन सड़क बनाई जा रही है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण इसे हाइब्रिड एन्युटी मॉडल के तहत 743 करोड़ की लागत से विकसित कर रहा है।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग पूरी तरह पिघला:अभी यात्रा के 5 दिन ही हुए; करीब 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी

3 जुलाई

जम्मू। अमरनाथ गुफा में प्राकृतिक बर्फ का शिवलिंग लगभग पूरी तरह पिघल गया है। अभी यात्रा के पांच दिन ही बीते हैं। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। यात्रा के पहले चार दिनों में करीब 86 हजार श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में दर्शन किए। अधिकारियों के अनुसार, मंगलवार को पांचवें दिन यह संख्या 1 लाख के पार पहुंचने की उम्मीद है। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यानी कि अभी 3 लाख से ज्यादा श्रद्धालुओं का दर्शन करना बाकी है।

23 मई को 7 फीट का था शिवलिंग

23 मई को BSF के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90% गायब हो चुका है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

अमरनाथ के बाबा बर्फानी प्राकृतिक बनते हैं, तराशा नहीं जाता

अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है।

खामेनेई की अंतिम यात्रा के बीच होर्मुज में ईरानी हमले: कतर के टैंकर को निशाना बनाया

कहा- जहाजों ने तय रूट छोड़ा, यहां सुरक्षा की गारंटी नहीं

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी। पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा के बीच ईरान ने मंगलवार को होर्मुज में फिर हमले शुरू कर दिए हैं। सरकारी मीडिया IRIB ने दावा किया कि होर्मुज में कतर के तेल टैंकर अल-रकायत को निशाना बनाया गया। ईरान ने कहा कि होर्मुज से कमर्शियल जहाज हमारे बताए रास्तों से नहीं गुजर रहे हैं। इसके बिना हम सुरक्षा की गारंटी नहीं दे सकते हैं। ईरान ने कहा कि अभी होर्मुज में हालात वैसे नहीं हुए हैं, जैसे अमेरिकी हमलों से पहले थे। इधर, अयातुल्लाह अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को शियाओं के धार्मिक शहर कोम पहुंची। जनाजे में लाखों लोगों ने लाल कपड़ा चढ़ाया। यह इस्लामिक परंपरा में बदले या खून की मांग का प्रतीक माना जाता है। लाखों लोग उन्हें अंतिम विदाई देने पहुंचे। खामेनेई ने शुरुआती इस्लामी शिक्षा यहीं हासिल की थी। खामेनेई के ताबूत पर उनकी काली पगड़ी रखी गई है। इस्लामी परंपरा में ऐसी पगड़ी सिर्फ बड़े धार्मिक विद्वान पहनते हैं। ताबूत पर ईरान का राष्ट्रीय झंडा भी ओढ़ाया गया है, क्योंकि वे देश के सर्वोच्च नेता थे।

तेहरान में खामेनेई की अंतिम यात्रा में जनसैलाब

तेहरान में निकली अंतिम यात्रा में लाखों लोग जुटे। भारी भीड़ के कारण ताबूत लेकर चल रहा वाहन कई जगह धीमा पड़ा और आजादी स्ट्रीट पर कुछ देर के लिए रुकना भी पड़ा।

खामेनेई का पार्थिव शरीर कोम पहुंचा

तेहरान में अंतिम यात्रा के बाद पार्थिव शरीर को धार्मिक रस्मों के लिए कोम ले जाया गया। गुरुवार को उनके गृह नगर मशहद में दफन किया जाएगा।

ईरान में खामेनेई के बदले की मांग तेज

अंतिम यात्रा में लाल झंडे और या लथारत अल-खामेनेई के नारे गूंजे। समर्थकों ने खामेनेई की हत्या का बदला लेने की मांग दोहराई।

ईरानी नेताओं की दो टूक चेतावनी

राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अंतिम यात्रा को खामेनेई के रास्ते पर चलने का संकल्प बताया। सेना प्रमुख अमीर हातमी ने कहा कि हत्या करने वालों का पीछा नहीं छोड़ा जाएगा।

इजराइल-ईरान के बीच बयानबाजी तेज

नेतन्याहू ने कहा कि अंतिम यात्रा में उमड़ी भीड़ पूरे ईरान की आवाज नहीं है। वहीं इराक के शिया नेता अम्मार अल-हकीम ने लोगों से अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में शामिल होने की अपील की।

होर्मुज स्ट्रेट में दूसरे जहाज पर भी हमला

ब्रिटेन की सेना ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट में एक दूसरे जहाज पर भी हमला हुआ है। यूनाइटेड किंगडम मैरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस ने बताया कि ओमान के तट के पास एक टैंकर पर प्रोजेक्टाइल से हमला होने और उसमें आग लगने की घटना के कुछ घंटे बाद एक दूसरे जहाज को भी निशाना बनाया गया। UKMTO के मुताबिक, दूसरे जहाज के ढांचे को नुकसान पहुंचा है, हालांकि इस हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

कतर ने होर्मुज के पास अपने तेल टैंकर पर हमले की निंदा की

कतर ने मंगलवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास अपने तेल टैंकर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। कतर ने इस घटना के लिए ईरान को पूरी तरह कानूनी रूप से जिम्मेदार ठहराया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि यह हमला अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है और इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय समुद्री नौवहन की सुरक्षा को खतरा पैदा हुआ है। कतर ने ईरान से मांग की कि वह क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करने और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली सभी गतिविधियां तुरंत बंद करे।

रिपोर्ट- ईरान ने होर्मुज में दो कमर्शियल जहाजों को निशाना बनाया

एक्सियोस के मुताबिक ईरान की सेना ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे दो कमर्शियल जहाजों पर कम से कम दो मिसाइलें दागीं। इनमें से एक जहाज ओमान के तट के पास मिसाइल से टकराया, जबकि दूसरा भी हमले की चपेट में आ गया। दोनों जहाजों को भारी नुकसान हुआ, हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

कोम में खामेनेई की अंतिम यात्रा खत्म

ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा मंगलवार को कोम शहर में खत्म हो गई है। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लेकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अब बुधवार को खामेनेई और उनके परिवार के सदस्यों के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार की अगली रस्मों के लिए इराक ले जाया जाएगा।

सूर्यकुमार बोले-वैभव तुम्हारे सफर की शुरुआत, देश का मान बढ़ाओ

कप्तानी से हटाए जाने पर कहा- नाराज नहीं, टीम के साथ; सोशल मीडिया पर झूठी खबरें

नई दिल्ली। भारत के पूर्व टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने वैभव सूर्यवंशी को इंटरनेशनल डेब्यू पर बधाई दी है। सूर्या ने कहा कि वैभव अभी अपने शानदार सफर की शुरुआत में हैं। उन्होंने कहा- वैभव तुम हर पल का लुत्फ उठाओ और देश का मान बढ़ाना जारी रखो। सूर्या ने सोशल मीडिया पर वायरल उस बयान को भी फर्जी बताया, जिसमें दावा किया जा रहा था कि वे कप्तानी छीने जाने और टीम से बाहर किए जाने से नाराज हैं। उन्होंने पोस्ट में कहा कि वे हमेशा भारतीय टीम के साथ हैं और उनके नाम से वायरल किया जा रहा बयान पूरी तरह झूठा है। टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जीतने के बाद सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को भारत का नया टी-20 कप्तान बनाया गया है। सूर्या को आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के अलावा एशियन गेम्स की टीम में भी जगह नहीं मिली।

सूर्या की पोस्ट, वैभव को बधाई

वैभव सूर्यवंशी ने इंग्लैंड के खिलाफ 15 साल 99 दिन की उम्र में टी-20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसके साथ ही वे भारत के लिए सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर और शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा। अपने पहले मैच में वैभव ने 2 सिक्स की मदद से 10 गेंदों पर 14 रन बनाए।

टीम से ड्रॉप होने पर कड़वाहट नहीं- सूर्या

सूर्यकुमार ने एक्स पर लिखा- कप्तानी जाने या टीम से ड्रॉप होने को लेकर कोई कड़वाहट नहीं है। भारतीय टीम को पूरा सपोर्ट मिलता रहेगा। मुझे पता लगा है कि इंटरनेट पर वायरल एक बयान गलत तरीके से मुझसे जोड़ा जा रहा है। साफ कर देना चाहता हूं कि मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया। ऐसी बिना जांच वाली खबरों पर भरोसा न करें और न ही इन्हें शेयर करें। भारतीय टीम के लिए बेहद खुश हूं और सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देता हूं। टीम का हर खिलाड़ी देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दे रहा है और उन्हें हमेशा पूरा समर्थन मिलेगा।

वायनाड में लैंडस्लाइड की चपेट में आए दर्जनों लोग

मलबे से बचकर भागते दिखे, 200 फीट दूर से तिनके की तरह बहता आया टैंकर

वायनाड। केरलम के वायनाड में मंगलवार को लैंडस्लाइड में 3 लोगों की मौत हो गई। कल्लाडी स्थित मीनाक्षी ब्रिज के पास मलप्पुरम-वायनाड टनल के सामने यह घटना हुई। यहां कंस्ट्रक्शन चल रहा था और टनल के सामने सैकड़ों टन मिट्टी जमा थी। इस हादसे का VIDEO सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि तेज बारिश के चलते लैंड स्लाइड हुई और अचानक पूरा मलबा तेजी से बहने लगा। लोग मलबे से बचकर भागते दिखे। दर्जनों चपेट में आ गए। गाड़ियां बह गईं। घटनास्थल पर एक टैंकर खड़ा था, जो मलबे के साथ तिनके की तरह करीब 200 फीट तक बहता हुआ आया। टैंकर वहां मौजूद महिला और पुरुष से चंद फीट दूर रुका। जिससे उनकी जान बच गई। हादसे के बाद कई लोग मलबे में दब गए हैं। इनको बचाने का काम चल रहा है, JCB मशीनें लगाई गई हैं। अधिकारियों के अनुसार, लगातार बारिश के कारण सोमवार से ही सुरंग कंस्ट्रक्शन का काम रोक दिया गया था।

टनल की लंबाई 8 किमी, 2200 करोड़ का प्रोजेक्ट

मलप्पुरम-वायनाड टनल प्रोजेक्ट के तहत मलप्पुरम को वायनाड से सुरंग (टनल) के जरिए जोड़ना है। टनल की लंबाई करीब लगभग 8.17 किमी है। इसकी लागत करीब 2,100-2,200 करोड़ है। दो साल पहले भी वायनाड में एक के बाद एक तीन भूस्खलन हुए थे, जिसमें 400 से ज्यादा जानें चली गई थीं।

वायनाड में लैंडस्लाइड की क्या वजह है

वायनाड, केरलम के नॉर्थ-ईस्ट में है। यह केरलम का एकमात्र पठारी इलाका है। यानी मिट्टी, पत्थर और उसके ऊपर उगे पेड़-पौधों के ऊंचे-नीचे टीलों वाला इलाका। जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया की 2021 की रिपोर्ट के मुताबिक, केरलम का 43% इलाका लैंडस्लाइड प्रभावित है। वायनाड की 51% जमीन पर पहाड़ी ढलाने हैं। यानी लैंडस्लाइड की संभावना बहुत ज्यादा बनी रहती है। वायनाड का पठार वेस्टर्न घाट में 700 से 2100 मीटर की ऊंचाई पर है। मानसून की अरब सागर वाली ब्रांच देश के वेस्टर्न घाट से टकराकर ऊपर उठती है, इसलिए इस इलाके में मानसून सीजन में बहुत ज्यादा बारिश होती है। वायनाड में काबिनी नदी है। इसकी सहायक नदी मनंतावडी थोंडारमुडी चोटी से निकलती है। लैंडस्लाइड के कारण इसी नदी में बाढ़ आने से भारी नुकसान हुआ है।

वायनाड में 2024 में सबसे बड़ा हादसा, 400 से ज्यादा की मौत

वायनाड में 2 साल पहले सबसे बड़ा लैंडस्लाइड हादसा हुआ था। 30 जुलाई 2024 रात करीब 2 बजे से 4 बजे के बीच मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टामाला और नूलपुझा गांवों में लैंडस्लाइड हुईं। इस हादसे में 400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। वहीं 2019 में भी भारी बारिश के कारण इन्हीं इलाकों में लैंडस्लाइड हो चुकी हैं। उस हादसे में 17 लोगों की मौत हुई थी। 52 घर पूरी तरह तबाह हो गए थे।

भारत का करीब 12.6% हिस्सा लैंडस्लाइड डेंजर जोन में आता है

भारत के करीब 12.6% भूभाग (लगभग 4.2 लाख वर्ग किमी) को लैंडस्लाइड संभावित क्षेत्र माना जाता है। हिमालय और पश्चिमी घाट देश के सबसे संवेदनशील लैंडस्लाइड क्षेत्र हैं। भारत में जून से सितंबर (मानसून) के दौरान सबसे ज्यादा भूस्खलन होते हैं। 80% से ज्यादा लैंडस्लाइड भारी बारिश के कारण होते हैं। सड़क, सुरंग, बांध, खनन और जंगलों की कटाई जैसी मानवीय गतिविधियां भी भूस्खलन का खतरा बढ़ाती हैं। केरलम, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और दार्जिलिंग सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। भारत में हर साल सैकड़ों लोगों की मौत भूस्खलन की घटनाओं में होती है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण देशभर में लैंडस्लाइड सस्प्टिबिलिटी मैप तैयार करता है, ताकि संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर समय रहते चेतावनी दी जा सके।

दावा-सिया ने चेतन से 4 महीने पहले सीक्रेट मैरिज की: गवाह बनी दो सहेलियों से पूछताछ जारी, नवंबर में केतन से शादी होनी थी

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल मर्डर केस में सिया और चेतन को लेकर नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि सिया गोयल ने केतन से सगाई के बाद अपने प्रेमी चेतन चौधरी से गुपचुप शादी कर ली थी। दावा है कि शादी करीब चार महीने पहले पुणे के रजिस्ट्रार ऑफिस में हुई थी। पुलिस मैरिज सर्टिफिकेट और दूसरे सबूत जुटा रही है। सिया की दो कॉलेज सहेलियों से भी पूछताछ की जा रही है। दावा है कि दोनों शादी में गवाह थीं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पुलिस एक इंस्टाग्राम अकाउंट से डिलीट की गई तस्वीरें भी रिकवर करने की कोशिश कर रही है। इन तस्वीरों में सिया और चेतन वरमाला पहने नजर आ रहे थे। पुलिस को शक है कि दोनों ने स्पेशल मैरिज एक्ट के तहत शादी रजिस्ट्रेशन कराया था। सिया और केतन 18 जून को पुणे के लोहगढ़ किले पर घूमने गए थे।

इसी दौरान केतन की खाई में गिरने से मौत हो गई। आरोप है कि सिया और चेतन ने केतन को किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था।

चेतन के बैंक रिकॉर्ड भी खंगाले जा रहे

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जांच एजेंसियां चेतन चौधरी के बैंक रिकॉर्ड भी खंगाल रही हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि क्या शादी की प्रक्रिया जल्दी पूरी कराने के लिए किसी बिचौलिए को पैसे दिए गए थे। पुलिस को शक है कि उदयपुर में नवंबर में होने वाली शादी की तैयारियां तेज होने के बाद हत्या की साजिश को जल्द अंजाम दिया गया। 25 मई की चैट में सिया अपनी एक दोस्त से शादी की बुकिंग के लिए आधार कार्ड मांगती है। लेकिन इसके बाद लिखा गया एक मैसेज सबसे ज्यादा चर्चा में है- शादी की टिकट के लिए आधार कार्ड फ्रंट-बैक भेज दे, जो होने नहीं वाली लेकिन फिर भी भेज दे। तस्वीर नवंबर 2025 की है। तब सिया और केतन अग्रवाल की सगाई हुई थी। सिया ने केतन की पहनाई अंगूठी दिखते हुए तस्वीर भी खिंचाई थी। तस्वीर नवंबर 2025 की है। तब सिया और केतन अग्रवाल की सगाई हुई थी। सिया ने केतन की पहनाई अंगूठी दिखते हुए तस्वीर भी खिंचाई थी।

प्लानिंग से मर्डर तक 19 दिन में घटना को अंजाम दिया

31 मई: सिया को केतन की हत्या का प्लान सूझा: 11 फरवरी को सगाई के बाद केतन, सिया को घर लेकर आता था, साथ घुमाने ले जाता था। उसे ट्रैकिंग यानी पहाड़ी चढ़ने का शौक था।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रदीप कुमार सोलंकी द्वारा महानगर मल्टीमीडिया प्रा. लि. जी-848, फेज 3, रीको सीतापुरा, जयपुर (राज.) से मुद्रित एवं 227-हीरालाल की गली, झालाना, मालवीय नगर, जयपुर (राज.) से प्रकाशित।
सम्पादकः प्रदीप कुमार सोलंकी, मो. 93510-01100, Email: atulyasansar@gmail.com संपादकीय कार्यालयः जगतपुरा फ्लाईओवर के पास, जगतपुरा जयपुर।